1

515

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	Karmveer Narwadia	Subject/Code:	Essay (5)
UPSC Roll No:	0805596	Date:	11 Aug 2024
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre:	516 / MKN.	Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

Section	(Essay Topic No.)	Marks Obtained
A		
B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐	Offline ☐		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय की स्पष्टता और सुसंगति। **Introduction:** Clarity of theme and Coherence	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए **क्रमबद्ध** करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

केवल गुणवान मत बनो, किसी उद्देश्य हेतु गुणवान बनो।

मिथकीय साहित्य में ब्रह्मराक्षस नाम का पात्र आता है। वह सभी ज्ञान-गुणों से परिपूर्ण होता है, उसका जितना ज्ञानी कोई और नहीं है। इतना ज्ञानी होने के बावजूद वह अपनी प्रेत-योनि से मुक्ति नहीं प्राप्त कर सकता क्योंकि जिस मुक्ति को वह चाहता है वह तभी संभव है जब ज्ञान का कुछ हिस्सा किसी योग्य शिष्य को प्रदान कर सके, लेकिन वह कभी तो भाव-अतिरेक, कभी उज्ज्वल शिष्य न मिलना, कभी नैतिक सिद्धान्तों की शत-प्रतिशत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्राप्ति में तो कभी विश्वचेतस - आत्मचेतस के द्वन्द्व में फंसा रहता है। इसका परिणाम यह होता है वह अपनी मुक्ति कभी कर ही नहीं पाता। हिन्दी साहित्य के मार्क्सवादी कवि मुक्तिबोध भी ब्रह्मराक्षस पर लिखते हैं.

पिस गया वह भीतरी
~~वह~~ दो कठिन पाटों के बीच
मरे पक्षी सा
विदा ही हो गया।

सारांश यह है कि ब्रह्मराक्षस गुणवान तो है ~~तो~~ लेकिन वह गुणों का उपयोग के लिए कोई उद्देश्य नहीं ढूंढ पाता। वह सदा मानसिक द्वन्द्व मे रहकर जीवन - लीला समाप्त कर लेता है। व्यक्ति का केवल गुणवान होना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उन गुणों का प्रयोग किसी उद्देश्य के लिए भी करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सर्वप्रथम हम यह समझते हैं कि गुण क्या होते हैं? गुणों से जुड़ा उद्देश्य क्या है? वस्तुतः गुण एक नैतिक-सामाजिक जीवन के मूल्य है जिन्हें समाज का हर व्यक्ति, सिविल सोसाइटी, प्रशासन, आर्थिकी प्राप्त करना चाहते हैं। दिनकर ने व्यक्तिवादी गुणों के लिए लिखा है.

व्यक्ति का है धर्म
तप, करूणा, क्षमा और त्याग

उसी प्रकार महात्मा बुद्ध ने भी पाँच आर्य सत्यों को बताया है जिनमें चोरी न करना, अनावश्यक भोग पर नियंत्रण, लालच न करना इत्यादि हैं. साथ ही एक मध्यम मार्ग भी बताया है जो इन गुणों को प्राप्त करने में सहयोगी होगा। इसी प्रकार जैन दर्शन में भी कुछ गुणों पर महत्व दिया है। वहीं प्लूटो ने संयम, विवेक, न्याय जैसे मूल्यों को गुण माना है। उपयोगितवादी विचारक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

बेंथम और मिल अधिकतम व्यक्तियों के सुख की कामना को गुण मानते है तो वही गाँधीजी के सात पाप तथा दस सिद्धान्तों को गुण माना जाता है।

अब निबन्ध में आगे बढ़ते है कि उद्देश्य क्या होना चाहिए? उद्देश्य बौद्ध धर्म के हीनयानों का निर्वाण प्राप्ति था तो महायानों का बोधिसत्व की प्राप्ति। वही प्लूटो, सुकरात के उद्देश्य एक सज्जन, प्रतिभाशील व्यक्तित्व का निर्माण करना था। वही आज के सन्दर्भों मे सामाजिक- आर्थिक कल्याण से लिया जा सकता है। जहाँ लोगों के दुखों का हरण हो, सब विनाशों का अन्त हो। जैसा तुलसीदास के रामराज्य युटोपिया मे दिखता है-

"राम राज्य काहेहु नहिं व्यापा
देहिक दैविक भौतिक तापा"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अब यह समझते है कि केवल गुणवान बने रहने से क्या होता है?

जिस तरह विगत मिथकीय चरित्र ब्रह्मराक्षस का चरित्र जिस तरह जीवन भर संघर्ष रहता है। वही स्थिति बनी रहती है। इसमें रामायण के रावण तथा मेघनाद को लेकर समझते हैं। रावण को महान प्रकाण्ड विद्वान माना जाता है, वह अत्यंत गुणवान था लेकिन गुणों का प्रयोग सीता माता को चुराने के लिए, छल-कपट से देवताओं से युद्ध करने के लिए किया। यहाँ हम दो तरीके देखते है एक तो सिर्फ गुणवान बने रहना और दूसरा गुणों को नकारात्मक तरीके से प्रयोग करना। ब्रह्मराक्षस सिर्फ गुणवान रहा तो रावण गुणों का नकारात्मक दृष्टिकोण से प्रयोग कर रहा था।

इसी को आगे बढाते है और देखते है कि एक सिविल सेवक जो नीतिशास्त्र का ज्ञान रखता है तथा फाउन्डेशन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कोर्स मे अनेक गुणों को और सीखता है। यह कह सकते है कि अनेक गुणों से युक्त होने के बावजूद प्रशासन-जनता के बीच दूरियाँ क्यों बनी रहती है। भ्रष्टाचार क्यों समाज में बढ़ता जा रहा है। शासन में धन का स्वहित के लिए प्रयोग क्यों हो रहा है। यह सब दिखाता है कि सिर्फ गुणवान होना प्राप्त नहीं है। गुणवानी व्यक्ति का उद्देश्य समझना और उसके लिए कार्य करना महत्वपूर्ण होता है।

गुणवानी व्यक्ति को किसी उद्देश्य के लिए प्रयोग में गाँधीजी को लेकर समझते है। गाँधीजी सत्याग्रह, अहिंसा, ट्रस्टीशिप, निर्धनों का कल्याण, इत्यादि के पक्षधर थे। उनके ये गुण दिखते हैं किसी उद्देश्य के लिए जब वे जाति-व्यवस्था को खत्म करने के आह्वान को लेकर गाँव-गाँव घूम रहे है। रूढ़िवादी हिन्दू लोगों द्वारा अत्यंत विरोध तथा बहिष्कार किया जा रहा है। वहीं अहिंसा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का गुण दिखता है जब चौरी-चोरा के बाद पूरे असहयोग आंदोलन को वापिस ले लेना तथा सदा सत्य के लिए आग्रह करते थे।

इसी तरह रामायण में हनुमान जी होते है जो सूर्य को निगलने की शक्ति रखता हो, उसके लिए सीता माता की खोज क्या मुश्किल कार्य था। वह अत्यन्त शक्तिशाली तथा गुणों से युक्त था। जब जाम्बवन्त उनको शक्तियों की याद दिलाते है। वे सात समुद्र पर भगवान श्रीराम के कार्य सीता माता की खोज कर पाते है। हनुमान जी उद्देश्य के लिए अपने गुणों का प्रयोग करते है।

इसी प्रकार सिविल सेवा में भी सेवक में नैतिक गुण जैसे- करुणा, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, ईमानदारी तथा समानुभूति होते हैं। ~~इन~~ इन्हीं का प्रयोग संवैधानिक आदर्शों के अनुकूल सामाजिक-आर्थिक हितों के लिए किया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उसे स्वहित से ज्यादा सार्वजनिक हितों को प्राथमिकता प्रदान करनी चाहिए। सिविल सेवा मे IAS प्रशांत नटयर, ~~क्षत्र~~ ऑमस्ट्रॉग पैमे जैसे सेवा दे भी रहे हैं।

यहाँ यह भी समझना चाहिए कि किसी में गुणों का निर्माण कैसे हो और गुणों का उद्देश्य के लिए प्रयोग करने में क्या बाधाएँ है? गुणों का निर्माण समाज से शुरू हो जाता है। समाज में रहने वाले वृद्ध व्यक्तियों के पास सामाजिक प्रथाओं की रुढ़िवादिता तथा उनका महत्व तथा परिवार में माता-पिता के गुणों से सीखना जैसे- Sharing, धार्मिक सद्भाव इत्यादि हैं। वही उम्र के पड़ाव मे स्कूल तथा फ्रेंड सर्किल और समूह से गुणों का निर्माण होता है। अल्बर्ट बांदुरा जैसे समाजवैज्ञानिकों ने observational learning जैसे सिद्धान्तो

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में मूल्यों के सीखने पर जोर दिया है। ये मूल्य ही गुण बन जाते है।

जब इन मुल्यों का उद्देश्य के लिए प्रयोग किया जाता है तो समाज, सिविल सोसाइटी तथा अन्य जगहों से समर्थन तथा विरोध दिखता है। जैसा गाँधीजी के उदाहरण में देखा कैसे रूढ़िवादी हिन्दू उनका विरोध कर रहे थे। उसी प्रकार राजा राम मोहन राय सती प्रथा का विरोध तथा सावित्री बाई फुले जैसी महिलाओं ने जब महिला शिक्षा को आगे बढ़ा रही थी तो भी कई प्रतिरोधों का सामना किया। इन विरोधों तथा प्रतिरोधों का समाधान भी मूल्यों या गुणों से होता है। जैसे- धैर्य, दृढ़ता, अभिप्रेरण, अनथक प्रयास के गुण दूसरे गुणों को उद्देश्य प्रदान देता है। चाहे वह सिविल सेवक के सामने भ्रष्टाचार की चुनौती हो या माफिया। सबका समाधान गुणों को उचित तीव्रता के साथ प्रयोग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करने की है।

मनुष्य को व्यक्तिगत जीवन में भी धार्मिक सहिष्णुता, करुणावान, सहानुभूति, ईमानदार, अस्तेय होना चाहिए। साथ ही अपने गुणों का टिका होकर आगे बढ़ना चाहिए। आज विश्व में जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, COVID-19, युद्ध इत्यादि अनेक समस्याएँ है जिनका समाधान खुद को प्रबोधन से युक्त करने का है। जिसके लिए गुणवान होना पड़ेगा। साथ ही गुणों का उद्देश्य भी निर्धारित होना चाहिए। जिस प्रकार चक्रीय अर्थव्यवस्था, Life मिशन इत्यादि को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये यही दिखाते हैं कि अपने उद्देश्यों के लिए गुणों का उपयोग संधारणीय जीवन को सार्थकता प्रदान करेगा।

कुल मिलाकर सारांश यही है कि गुण व्यक्ति के लिए आदर्श है जिनको

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

काल, परिस्थितियों के सापेक्ष उद्देश्यों के लिए उपयोग करना चाहिए। ये गुण सार्वजनिक हित में सामाजिक- आर्थिक हितों को आगे बढ़ाने वाले होने चाहिए। अगर समाज या विश्व अपना भविष्य उज्ज्वल चाहता है तो उन्हें गुणों को अपनाना ही चाहिए। इन गुणों का प्रयोग कल्याण को आगे बढ़ाता है। जिससे सर्वे भवन्तः सुखिनः जैसी विचारधारा आगे बढ़ती है। अन्त में यही कि अन्त केवल एक मुहावरा है, हमें सदा संभावनाशील होकर गुणों को प्राप्त करने तथा उद्देश्यों को प्राप्त करने मे प्रयोग होना चाहिए। अन्त में विवेकानन्द जी के शब्दों मे

उठो - जागो
और तब तक मत रुको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① उद्देश्य

संविधान → सामाजिक आर्थिक

हीनयान → निर्वाण को प्राप्त करना

महायन → सभी को बौद्धिसत्व

गाँधीजी → अपनी धारणाओं को

भौतिक सुखवादी

भगवान श्री राम सभी नैतिक मूल्यों तथा गुणों से युक्त थे। उनमें वीरता, कर्मशीलता, दानवीर, तप, त्याग इत्यादि से युक्त थे।

केवल गुणवान को है

रावण

मेघनाद

(वह) मिथकीय साहित्य में ब्रह्मराक्षस एक पात्र होता है वह सभी गुणों से परिपूर्ण होता है वह सदा अपनी प्रेत-योनि से मुक्ति चाहता है लेकिन उसकी मुक्ति नहीं हो पाती है क्योंकि जिस मुक्ति के लिए वह प्रार्थना कर रहा है, वह तभी संभव है जब ज्ञान का कुछ भाग नैतिक [illegible] उत्तराधिकारी शिष्य को सौंप सके [illegible]

Copyright - Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

केवल गुणवान मत बनो, बल्कि किसी उद्देश्य हेतु गुणवान बनो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(I) महायानी → बोधिसत्व → बुद्ध

राजा पुरुषोत्तम

रामायण

(IV) समाज में → महिला

श्रीराम → दानशीलता, वीरता, कल्याणकारी, अनुभूतिशीलता

(II) रावण के पास → वीरता → कुंभकरण तथा रावण का वध

दानशीलता → राज्य को दाना, ऋषि कन्या का कल्याण।

(III) सिविल सेवा
- अशोक खेमका → Sports.

(IV) व्यक्तिगत स्तर पर →

(1) गुण क्या है? → (2) उद्देश्य

गुण वे होते हैं जो ~~सम्मा~~ नैतिक जीवन की आधारशिला

गुणों को धारण करना।

उपयोगितावादी जेंथम, मिल — हिटलर, महात्मा गाँधी → 7 सात पाप

प्लूटो, सुकरात

बुद्ध → पंच आर्य सत्य
→ middle
जैन धर्म

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ज्ञान के लिए उपयुक्त शब्द की पहचान
कहीं नैतिक सिद्धान्त की अतिरेकता, तो कहीं विश्लेषण

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

Topic:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आरंभ किसी कार्य का महत्वपूर्ण पहलू होता है।

मध्य उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड क्षेत्रों मे गंगा तथा घाघरा नदियॉ में बाढ़ आ गई है। वहीं बलिया जिले के बैरिया गॉव मे DAM (बॉध) मे पानी संकट ग्रस्त स्तर से पानी ऊपर जा चुका है। लगभग 1.75 लाख आबादी इससे प्रभावित होगी। आनन-फानन में प्रशासनिक अधिकारियों को फोन मिलाया जाता है। एक SDM मोर्चे के साथ आता है। बॉध का मुआयना करता है और निर्धारित करता है कि बॉध कभी भी टूट सकता है। जिससे बचने के लिए ठेकेदारों तथा श्रमिकों का प्रयोग करके पानी को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अलग- अलग चैनलों में बाँटा जाए। लेकिन प्रशासन के समक्ष वित्त की तथा उचित श्रम बल का अभाव प्रमुख समस्या थी। साथ ही आस-पास के गाँव के श्रमिक यहाँ काम करने से कतरा रहे थे। तब एक युवक जो खुद ही एक कट्टें मे आवश्यक सामग्री डालकर एक मिस्त्री के पास पहुँच गया। उसका यह आरम्भ इतना प्रभावपूर्ण था कि उसे उस के गाँव के वृद्ध, युवा इत्यादि का सपोर्ट मिला और सबने कंधे से कंधे मिलाकर श्रम आवश्यकता को पुरा कर दिया। वह युवक था SDM- अरविंद कुमार।

SDM अधिकारी ने सिर्फ एक कट्टे से काम आरम्भ किया था। बस कारवाँ जुड़ता गया और बांध को बना दिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

गया। जिससे जन-धन-माल को बचा लिया गया। इस कहानी मे सर्वप्रथम प्रारम्भ जिस प्रकार महत्वपूर्ण था। उससे प्रभावित होकर अन्य भी मदद करने मे आगे आए और कार्य को सफलता मिली।

अब सर्वप्रथम यह समझते है कि आरम्भ क्या होता है? किसका आरम्भ किया जाता है? आरम्भ क्यों किया जाता है? और आरम्भ से क्या प्रभाव होता है?। आरम्भ किसी भी कार्य को करने के लिए प्रथम प्रयास होता है। जैसे- पेपर के लिए पढाई करना। इसको एक उद्देश्य में रखकर शुरु किया जाता है हालांकि कई बार आरंभ को कई अर्थों मे प्रयुक्त किया जाता है। जैसे- सिगरेट छोड़ देना। इसके लिए किसी वृत्ति को छोड़ देना भी एक आरम्भ होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दूसरे प्रश्न आरम्भ किया जाता है- कुछ नया करने का। अपने पूर्ववर्ती चीजों, आदतो, व्यवहारों तथा विचारो का परित्याग तथा कुछ नए आधुनिकता से युक्त मूल्यों, भावों को ग्रहण करना। वही तीसरा प्रश्न आरम्भ किया जाता है कुछ नए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए। वही आरम्भ के प्रभाव से व्यक्ति खुद को एक दिशा मे निर्देशित पाता है, अभिप्रेरित पाता है तथा दृढ़ता व धैर्य जैसे मूल्यों से परिपूर्ण पाता है। कई बार इससे दूसरे लोग भी अभिप्रेरित होते है। इन्हें एक उदाहरण से समझते है-

राजस्थान के एक जिला सीकर में एक गाँव है नयाबास, जहाँ की आबादी लगभग 1000 के आस-पास है। भौगोलिक परिस्थतियाँ ऐसी कि खेती तो न के बराबर होती है। मिट्टी कैटीले काफी बडे- बडे हो। यहाँ ज्यादान्तर मीणा जनजाति

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के लोग रहते हैं। उनका पेशा गॉवों से चोरी करके धन की लूटपाट करना तथा भौगोलिक परिस्थातियॉ उन्हें सपोर्ट भी प्रदान करती थी। लेकिन एक बार वहॉ एक परिवार के 2 बहन-भाई भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण हो गए। यह उनका आरंभ था, आज 30 वर्षों बाद यह कहा जाता है कि लगभग हर घर मे या तो एक व्यक्ति राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी है या भारतीय सिविल सेवा में। नहीं तो तैयारी कर रहे हैं।

यह दिखाता है कि आरंभ कितना महत्वपूर्ण है। यह सिविल सेवा के लिए प्रारंभ अन्य लोगों के लिए अभिप्रेरणा की शक्ति बना और अपने व्यवसायों चोरी, लूट-पाट को छोड उच्च पदों पर पहुँच गए। यह आरंभ को, किसी कार्य करने का महत्वपूर्ण पहलू को प्रदर्शित करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हालांकि यह भी सत्य है कभी भी आरंभ आसान नही होता है। उसके लिए दृढ़ निश्चयी, समर्पण तथा धैर्य का होना अत्यावश्यक है। जिस प्रकार एक धोती में रहने वाला दो-हाड़ मॉस का आदमी पूरी ब्रिटेन सत्ता के सामने बिना हथियारों के खड़ा होकर चुनौती प्रदान करता है। वह दिखाता है कि इस सत्याग्रह का आरम्भ कितना महत्वपूर्ण था। जिसकी परिणीति यह होती है कि गॉधीजी के आह्वान पर सम्पूर्ण देश एक सूत्र मे बंध गया और आजादी के लिए प्रगतिशील हुआ। तभी आइंस्टीन ने कहा था -

"आने वाली पीढ़ियाँ शायद ही इस बात पर विश्वास करें कि ऐसा व्यक्ति धरती पर हाड़ मॉस से बना था।"

वही इसरो के उदाहरण से समझते है जब

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ISRO ने अपना काम शुरु किया था तो पेलोड़ को साइकिल से ले जा रहे थे। यह फोटो वायरल होती है उस साइकिल से मंगलयान तथा चन्द्रयान तक के सफर में एक ही बात महत्वपूर्ण है- आरम्भ करना। एक बार आरम्भ कर लिया तो परिणाम बेहतर ही होते है। कौन विश्वास करेगा कि 1950 का भारत पहले ही प्रयास में, कम खर्चीले रूप में मंगलयान का सफर तय कर पाएगा। चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग वाला पहला देश भारत बनेगा।

उसी प्रकार जब थॉमस एल्वा एडीसन कहता है-

"कौन कहता है कि मैंने आरंभ गलत किया, मैं 1000 बार असफल रहा, नही मैंने 1000 तरीके सीखे है जिससे बल्ब नही जल सकता"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

एडीसन ने जब आरंभ किया तो सफलता नहीं मिली तब उन्होनें अनवरत लगातार प्रयास किया। उसी का परिणाम का विश्व के महान वैज्ञानिक के रूप में उनका नाम सामने आता है।

इसी तरह सभ्यता के आरंभ में जब आदि-मानव जानवरों से बचने के लिए आग की उत्पत्ति पर ध्यान दे रहा था तो किसको पत्ता था कि यह जीवन का आधार बनेगी। वह खाना-पकाकर इसका प्रयोग करेगा। लेकिन इन सबसे महत्वपूर्ण यही होता है कि आरंभ किया। अगर वह अविष्कार ना करके कुछ नहीं करता तो क्या उसका जीवन संभव था। आज का मनुष्य इतनी वृद्धि कर पाता। नहीं ना, तो यह सत्य आरंभ हमेशा महत्वपूर्ण होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वही निबन्ध मे आगे बढे तो क्या आरंभ के बाद पीछे मुडकर नही देखना चाहिए? आरंभ करने के बाद जो-जो समस्याएँ आती है, उनका समाधान तो करना ही चाहिए। साथ ही स्व-विश्लेषण भी आवश्यक है। सिविल सेवा की तैयारी करना एक एस्पाइरेंट ने शुरू कर दिया। आरम्भ सही है लेकिन मुख्य परीक्षा मे उत्तीर्ण हो गया, साक्षात्कार मे कम अंक होने से अनुत्तीर्ण हो गया। तो उसे स्वयं विश्लेषण करना चाहिए कि व्यक्तित्व परीक्षण में कहा सुधार करना चाहिए। ये सुधार ही जीवन की सार्थकता तथा आरंभ की वास्तविकता को निर्धारित करते है।

हालांकि आरम्भ मे व्यक्ति सदा अभिप्रेरित तथा निर्देशित होता है लेकिन अन्त तक आते-आते पथ मे अनेक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बाधाएँ तथा भ्रम होते है जिसमें कई बार लोग उलझ जाते है। इन सबका समाधान है- खुद के मस्तिष्क को नियंत्रित कर कार्य के प्रारम्भ से अन्त तक खुद को अभिप्रेरित रहने का। व्यक्ति को अन्तरात्मा से यह निर्णय लेने की शक्ति होनी चाहिए कि आरम्भ से अन्त में क्या बुरा है तो क्या अच्छा है। इन सबका निर्धारण ही कार्य के प्रति सफलता को निर्धारित करते है।

हम यह भी कह सकते है कि किसी का आरंभ किसी के लिए अन्त हो सकता है। कहा जाता है अन्त: अस्ति प्रारंभ। जब व्यक्ति मेहनत करता है, पथ निर्देशित होता है वो आलस्य को त्याग करता है। अपने बुराईयों को भूलकर त्याग कर सब कुछ शुरू करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आज की परिस्थितियों में देखे तो मनुष्य द्वारा प्लास्टिक का कम उपयोग, ऊर्जा का निम्न उपयोग, संधारणीय पद्धति अपनाना इत्यादि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक आरम्भ हो सकता है। इन आरंभों को अगर चक्रीय अर्थव्यवस्था, लाइफ मिशन इत्यादि से रखकर आरम्भ करे तो परिणाम काफी समावेशी तथा सराहनीय होगे।

सारांश में यह कहा जा सकता है कि आरंभ किसी भी उद्देश्य का होता है जिसको सकारात्मक दृष्टि मे प्रगतिशील रखे तो व्यक्तित्व विकास, लोगों मे विश्वास तथा समाज को उन्नति मिलती है क्योंकि इससे अन्य व्यक्तियों को भी अभिप्रेरणा मिलता है। इस अभिप्रेरणात्मक शक्ति का

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपयोग सामाजिक कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

शीतल देवी (J&K)

साधना मे

Crowd funding

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जियो बैग
पॉलिस्टर, फेवी
अमेरिका

डाटा डेटा
नदी के मलबों का
प्रयोग बनाकर

बैरिका — SDM → मार्केटिंग उत्पाद

कोई मजदूर तथा ठेकेदार नहीं मिल रहा था तब गांव के लोग ठेकेदार लाने गए लेकिन मजदूर अब भी कोई नहीं था तब एक 5 फीट का आदमी कंक्रीट से भरे पात्र को ठेकेदार के मालिक पास ले गया और यह इतना प्रभावशाली था कि गांव के सभी ग्रामवासी उसी कार्य मे लग गए और काम 8-10 दिनो मे सम्पन्न हुआ

U.P. मे एक डेम है, डेम मे कुछ दरारे आ गई थी, दरारो से पानी बह रहा था, डेम कभी भी टूट सकता था। अगर वह डेम टूट जाता तो लगभग 1100 आबादी वाला गॉव की आबादी, पशुधन, खेती, इत्यादि का तांडव होता तब वहॉ के लोगों ने प्रशासन को फोन किया और अपनी बात समझाई, प्रशासनिक अधिकारी आए और मुआयना किया और पाया कि dam कभी भी टूट सकता है क्यो ना dam के सुरक्षा के लिए कुछ किया जाए। उन्होंने dam की सुरक्षा तथा पानी को चैनलो मे बॉटने का सोचा। यह कार्यवाई ठीक थी लेकिन वहॉ के हालात गम्भीर थे

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

बार: वाली

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आरंभ किसी कार्य को करने का महत्वपूर्ण पहलू होता है

ISRO →
साइकिल पर Rocket के payload

~ पहले प्रयास मे → मंगलयान
कम खर्चीली →
चन्द्रयान → Soft landing

मानव सभ्यता ने
आग → जानवरों से सुरक्षा
खाना पकाया
माँस पकाया।

सुधार → सती प्रथा → नवजागरण के कर्मों का

→ (I) आरंभ क्या है?
किस का आरंभ

(II) आरंभ क्यों करना चाहिए?
→ समाज सुधारकों

(III) आरंभ कैसे करना चाहिए

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation